

पर्णलता स्त्री. (तत्.) पान की बेल या लता।

पर्णवल्की स्त्री. (तत्.) पलाशी नाम की लता।

पर्णवाद्य पुं. (तत्.) 1. पत्तों की आवाज 2. पत्तों से बना वाद्य यंत्र 3. पत्तों से बने बाजे की आवाज।

पर्णशय्या स्त्री. (तत्.) पत्तों का बिछावन, पत्तों की सेज।

पर्णशाला स्त्री. (तत्.) पत्तों की बनी कुटिया, पर्णकुटी।

पर्णसि पुं. (तत्.) 1. कमल 2. पानी से बना घर, जलाशय से बना घर 3. साग, तरकारी 4. बनाव-सिंगार।

पर्णाद पुं. (तत्.) 1. किसी उद्देश्य विशेष से या व्रत के कारण पत्ते खाकर रहने वाला 2. एक ऋषि का नाम।

पर्णाशन पुं. (तत्.) 1. मेघ, बादल 2. केवल पत्ते खाकर रहने वाला।

पर्णास पुं. (तत्.) तुलसी।

पर्णिक पुं. (तत्.) पत्तों का व्यापारी।

पर्णिका स्त्री. (तत्.) 1. मानदंड, शालपर्णी, सरिवन 2. पिठवन नाम की लता 3. अग्निमंथ, अरणी 4. कागज का वह आधिकारिक टुकड़ा जिससे कोई वस्तु या प्रवेश प्राप्त हो सकता हो जैसे-कूपन।

पर्णिनी स्त्री. (तत्.) 1. मापपर्णी, मषवन 2. अप्सरा विशेष।

पर्णिल वि. (तत्.) 1. पत्तों से भरा हुआ, पर्णल, पत्तों से युक्त 2. दे. पर्णल।

पर्णी पुं. (तत्.) 1. वृक्ष, पेड़ 2. शालपर्णी, सीवन 3. पिठवन 4. तेजपत्ता, तेजपत्र 5. पलाश का पेड़ स्त्री. एक प्रकार की अप्सराएँ।

पर्णीर पुं. (तत्.) सुगंधवाला, सुगंध बेचने वाला।

पर्णोटज पुं. (तत्.) पर्णशाला, पर्णकुटी।

पर्द पुं. (तत्.) 1. बालों का समूह 2. अपान वायु का त्याग 3. दे. पद्ध।

पर्दा पुं. (फा.) दे. परदा।

पर्दानशीन वि./स्त्री. (फा.) दे. परदानशीन।

पदर्थ पुं. (तत्.) 1. सिर के बाल 2. अधोवायु, पाद।

पदर्थन पुं. (तत्.) अधोवायु छोड़ना, पादना, पाद मारना।

पर्पट पुं. (तत्.) 1. पित्त पापड़ा 2. पापड़ 3. एक प्रकार की औषधि।

पर्पटी स्त्री. (तत्.) 1. गोपीचंदन 2. पापड़ 3. एक गंध द्रव्य, सुगंधित मिट्टी की गंध 4. एक विशिष्ट रसौषधि, पर्पटी रस 5. सौराष्ट्र देश की मिट्टी, सुगंधित मिट्टी।

पर्परी स्त्री. (तत्.) केशगुच्छ, वेणी, कवरी, जूड़ा।

पर्परीक पुं. (तत्.) 1. सूर्य 2. अग्नि 3. जलाशय।

पर्परीण पुं. (तत्.) 1. संधि 2. पान के पत्तों की नाल का रस 3. पर्व 4. पान के पत्तों की नसें 5. उत्तरायण में घी द्वारा शिव की पूजा।

पर्यक पुं. (तत्.) 1. पलंग 2. शिविका, पालकी 3. योग में किया जाने वाला एक आसन 4. एक विशिष्ट प्रकार का वीरासन, वीरों के बैठने का स्थान 5. नर्मदा नदी के उत्तर दिशा में स्थित एक पर्वत जिसे विंध्य पर्वत का पुत्र भी कहा जाता है।

पर्यंत अव्य. (तत्.) तक, लौ जैसे- मृत्यु पर्यंत पुं.
1. सीमा, चौहद्दी, किनारा, अंत, समाप्ति सीमा
2. घिरा हुआ 3. समीप, पास 4. पार्श्व, बगल।

पर्यंतिका स्त्री. (तत्.) 1. नैतिक पतन 2. सदाचारहीनता, गुणों का नाश।

पर्यटक पुं. (तत्.) पर्यटन करने वाला, भ्रमणशील, घुम्मकड़, यायावर, देश-विदेश में घूमने वाला।

पर्यटन पुं. (तत्.) 1. भ्रमण, घूमना-फिरना, महत्वपूर्ण स्थलों को देखने के लिए यहाँ-वहाँ जाना।